चाहत

हर्षित गर्ग
पुत्र श्री पंकज गर्ग
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की

यदि आप -

रखना चाहते हैं	-	तो अच्छे मित्र रखें।
पढ़ना चाहते हैं	-	तो अच्छा साहित्य पढ़े।
निभाना चाहते हैं	-	तो अपना वादा निभाये।
त्यागना चाहते हैं	-	तो बुरी आदत त्यागे।
अपनाना चाहते हैं	-	तो अच्छा नैतिक चरित्र अपनाएं।
बोलना चाहते हैं	-	तो सत्य बोलें।
पूजा करना चाहते हैं	-	तो कार्य की पूजा करें।
किसी से लेना चाहते हैं	-	तो आशीर्वाद लें।
कुछ देना चाहते हैं	-	तो नीची निंगाह करके दें।
जीतना चाहते हैं	-	तो इच्छाओं को जीते।
मारना चाहते हैं	-	तो इच्छाओं को मारे।
पीना चाहते हैं	-	तो नेकी का जाम पीयें।
कुछ करना चाहते हैं	-	तो निर्धन की सहायता करें।

अपमान का कहर

कर्ण तथा दुर्योधन का यदि अपमान न हुआ होता, तो महाभारत न होता।
जयचन्द का यदि अपमान न हुआ होता, तो भारत में इस्लाम धर्म का आगमन न होता।
चाणक्य का यदि अपमान न हुआ होता तो चन्द्रगुप्त सम्राट न बना होता।
महात्मा गांधी का यदि अपमान न हुआ होता तो हिन्दुस्तान आजाद न होता।
जवाहर लाल नेहरू का अपमान यदि कश्मीर में न होता तो अखण्डता का नारा न लगता।
डॉ अम्बेडकर का यदि अपमान न हुआ होता तो आरक्षण देश में लागू न होता।

अपमान ही "नस्लवाद" को पैदा करता, अपमान ही अपनो को दूर करता।